>

Title: Need to undertake repair of National Highway No. 15 on Stretch between Gujarat-Rajasthan border and Barmer district in Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल (जालौर): नेशनल हाइवे नं0 15 गुजरात सीमा से रामजी का गोल (बाड़मेर) तक सड़क के मरम्मत के लिए बार-बार केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार को अवगत करवाने के बावजूद भी स्थिति जैसी की तैसी बनी हुई है। राजमार्ग 15 पर गुजरात बार्डर से लेकर गांधव के बीच में सड़के बुरी तरह से टूटी पड़ी हैं तथा जगह जगह गडढे हैं| यातायात नियमों के बारे में पर्याप्त जानकारी का अभाव व क्षमता से अधिक सवारियां व सामान भरना, जल्दबाजी, लापरवाही, टूटी सड़कें व रखरखाव का अभाव, तेज घुमाव व उबड़-खाबड़ रास्ते की वजह से टायर फटना, सड़क के दोनों किनारों के पास उगी झाड़ियां व पेड़ यहाँ होने वाली दुर्घटना का प्रमुख कारण रहे हैं। अधिकांश हादसों मं राष्ट्रीय राजमार्ग 15 पर गुजरात बार्डर से लेकर गांधव के बीच में टूटी सड़कों व सड़क के दोनों ओर बिखरी मिट्टी हादसे का कारण बनती है। आलम यह कि सड़क पर वाहनों के चलने के साथ धूल का गुब्बार उड़ता है जिससे न केवल उसके पीछे चलने वाले वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है। बल्कि राहगीरों और दुकानदारों का भी दिक्कत होती है। धूल के गुब्बार के कारण दुपहिया वाहन चालकों को मुंह पर रूमाल रख कर चलना पड़ता है। इस मार्ग पर व्यापार करने वाले व्यापारी सबसे ज्यादा परेशान हैं। धूल उड़ने के कारण उनको कई तरह की बीमारियों ने जकड़ लिया हैं। कई लोगों को तो अस्थमा जैसी बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया है।

पुलिस विभाग से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक पिछले 13 वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 93 हादसों में 134 लोग घायल हो चुके हैं तो 80 जिंदगियों काल का ग्रास बन चुकी हैं। इसमें से सर्वाधिक मौतें इसी वर्ष हुई। अकेले इस वर्ष 6 हादसों में लगभग 55 मौतें व सौंकड़ों लोग घायल हुए हैं।